Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing

Governor Greets people on Vijay Diwas

Raj Bhawan, Dehradun, 15th December, 2017

Governor Dr.K.K.Paul has greeted all citizens, defence personnel, ex-servicemen and martyrs and their family members on the occasion of Vijay Diwas.

In his message issued on the eve of Vijay Diwas, the Governor said that this day gives us the opportunity to express our respect and gratitude towards our armed forces, also paying homage to our martyrs who laid down their lives for us. He said the soldiers of the Indian army, considered one of the best armies in the world, have always been present at the borders to defend the country while helping in internal emergency situations as a reliable and strong force. He said that the entire country saluted the indomitable strength and valour of our soldiers who are dedicated to the solidarity and security of the country. "We are proud of each one of our soldiers."

It may be recalled here that on December 16, 1971, India defeated Pakistan after 14 days of war. Indian soldiers displayed exceptional courage. In memory of this victory and to pay homage to the soldiers who sacrificed their lives, December 16 is observed as Vijay Diwas.

The Governor said that the Indian army had always defended the country from external and internal threats while helping it fight natural disasters and other difficult situations.

.....0.....

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

विजय दिवस, भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का प्रतीकः राज्यपाल
राज्यपाल ने विजय दिवस की शुभकामनाएं दी।

राजभवन देहरादून दिनांक 15 दिसम्बर, 2017

राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने सन् 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर अभूतपूर्व विजय की स्मृति में प्रति वर्ष 16 दिसम्बर को मनाए जाने वाले विजय दिवस पर, सभी नागरिकों, वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों व शहीद सैनिकों के परिजनों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

विजय दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि ''विजय दिवस, भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का प्रतीक है। यह दिवस, दुनिया की श्रेष्ठ सेनाओं में शुमार भारतीय सेना के वीर पराक्रमी जवानों के प्रति आत्मिक सम्मान और गौरव व्यक्त करने का महान अवसर है, जिन्होंने अपनी प्राणों की आहुति देकर देश के मान–सम्मान की रक्षा की। देश की आन–बान और शान की रक्षा के लिए समर्पित सेना के प्रत्येक जवान और शहीद पर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को गर्व है।

सन् 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना बुरी तरह से पराजित हुई। भारतीय सेना के अद्वितीय पराक्रम से विवश होकर पाकिस्तानी सेना के 93 हजार से अधिक सैनिकों को आत्मसमर्पण करना पड़ा। युद्धों के आधुनिक इतिहास में इतनी बड़ी तादाद में किसी देश के सैनिकों का आत्मसमर्पण का यह पहला व एकमात्र उदाहरण है। इस युद्ध में भारतीय सेना ने वीरता की अद्भुत मिसाल कायम की।''

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय सेना ने सदैव ही बाहरी व आंतरिक सुरक्षा के साथ ही दैवीय आपदा व अन्य विपरीत परिस्थितियों में भी आम नागरिकों की रक्षा में अहम भूमिका निभाई है। भारत के प्रत्येक नागरिक के हृदय में भारतीय सेना के प्रति अपार स्नेह व सम्मान है।

.....0.....

Assistant Director , Rajbhawan Uttarakhand Mob. 7055007012 Tele fax: 0135 - 2756172